Sardar Swaran Singh: No final decision has been taken as yet with regard to that. But one or two offices of Government have already shifted to Nagpur. I think the Controller of Insurance and the Commissioner for National Savings have already shifted to Nagpur.

Shri Mohamed Imam: Is it not a fact that ample accommodation is available at Bangalore and do Government think of shifting offices there?

Sardar Swaran Singh: I would very much like to utilise the accommodation in Bangalore if available. I think Bangalore has been complaining that we have located far too many offices in Bangalore. That seems to be the attitude the Mysore Government has always been taking whenever I went there.

Shri B. S. Murthy: What about Hyderabad?

Mr. [illegible]aker: Order, order.

मानसरोव[illegible] ने तीर्थयात्री

*१३६. **श्री भक्त दर्शन** : क्या प्रधान मंत्री १० दिसम्बर, १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या ९७७ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५४ में जब से तिब्बत के संबंध में भारत व चीन की सरकारों के बीच समझौता हुआ है, तब से प्रतिवर्ष अब तक कितने भारतीयों ने कैलाश-मानसरोवर की यात्रा की है ;

(ख) उन तीर्थयात्रियों की कठिनाइयां दूर करने के संबंध में चीन सरकार से जो बातचीत चल रही थी, उस के बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है; और

(ग) उक्त समझौते की शर्तों के अनुसार चीन की सरकार ने भारतीय तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के लिये अब तक कौन-कौन से कार्य किये हैं ?

वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) चीन-भारत करार हो जाने के बाद जिन तीर्थयात्रियों ने कैलाश और मानसरोवर की यात्रा की, उनकी संख्या इस प्रकार है :

१९५४	११८३
१९५५	४१९
१९५६	३८४
१९५७	२३६

(ख) तथा (ग). बातचीत के फलस्वरूप चीन सरकार ने पीकिंग में हमारे राजदूतावास को सूचना दी कि भारत से आने वाले तीर्थयात्री एक रास्ते से हो कर तिब्बत में दाखिल हो सकते हैं और दूसरे से वापस जा सकते हैं और यह कि तीर्थयात्री एक से अधिक बार तीर्थ स्थानों पर जा सकते हैं। चीन सरकार ने तिब्बत के स्थानीय अधिकारियों को भी कहा है कि वे यात्रियों की जांच-पड़ताल करने के तरीके को आसान बनायें। हाल की रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले साल से काफी तरक्की हुई है और इस साल यात्रियों की शिकायतें कम रही हैं।

श्री भक्त दर्शन : माननीय उप-मंत्रिणी जी ने अभी जो आंकड़े दिये हैं, उन से यह स्पष्ट है कि सन् १९५४ से अब तक प्रतिवर्ष कैलाश मानसरोवर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या घटती चली जा रही है जबकि चीन सरकार यह कह रही है कि उन्हें अधिकाधिक सुविधायें दी जा रही हैं। क्या मैं जान सकता हूं कि क्या इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह संख्या क्यों घट रही है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : यह तो अभी माननीय सदस्य ने जवाब में सुना कि पहले शिकायतें थीं और शिकायतों को चीनी सरकार के सामने रखा गया था और उस में अब तरक्की हुई है। इस में कोई शक नहीं

कि पहले ११०० लोग गये थे और अब २५०, ३०० तक पहुंच गये हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए इस में कोई शक नहीं कि कुछ दिक्कतें होंगी, तभी यह कमी हुई। हम ने इस बारे में कोशिश की और हम से कहा गया है कि अब वे दिक्कतें हट गई हैं। चीनी सरकार ने तो कहा ही है, लेकिन वहां हमारे जो नुमायन्दे हैं, उन्होंने भी कहा है कि रास्ता अब पहले से आसान हो गया है।

श्री भक्त दर्शन : भारत की सीमा के इस ओर भारत सरकार की सहायता से उत्तर प्रदेश की सरकार सड़कों और विश्राम-गृहों के सुधार में काफ़ी अच्छा प्रयत्न कर रही है, जब कि दूसरी ओर इस सम्बन्ध में अभी तक कोई खास कार्यवाही नहीं की गई है। क्या मैं जान सकता हूं कि हमारे जो अधिकारी वहां हैं, उन्होंने इस सम्बन्ध में कोई विशेष रिपोर्ट दी है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : किस सम्बन्ध में ?

श्री भक्त दर्शन : विश्रामगृहों और सड़कों के बारे में।

श्री जवाहरलाल नेहरू : माननीय सदस्य किस तरफ़ की बात कह रहे हैं—हिन्दुस्तान की तरफ़ या चीन की तरफ़ ?

श्री भक्त दर्शन : मेरा मतलब यह है कि हिमालय के इस ओर—भारत की ओर—तो काफ़ी सुधार हुआ है, उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार की सहायता से काफी सुधार किया है, लेकिन दूसरी ओर अभी भी सड़कों की हालत अच्छी नहीं है और रैस्ट-हाउस नहीं बनाये गए हैं, जो कि एग्रीमेंट में एक खास शर्त थी।

श्री जवाहरलाल नेहरू : एक बात मैं माननीय सदस्य से कह दूं। वह आंकड़ों का जिक्र कर रहे थे कि सन् १९५४ में ज्यादा लोग गये थे, लेकिन सन् १९५४ एक बहुत खास साल था—एक मेले का साल था, इसलिये भी ज्यादा लोग गये थे। लेकिन गालिबन यह सही बात होगी कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने रेस्ट हाउसिज़ वग़ैराह का ज्यादा प्रबन्ध किया है और उधर कम हुआ है। कुछ उधर भी हुआ है। ज़ाहिर है कि उत्तर प्रदेश सरकार को इस की ज्यादा फ़िक्र है बनिस्बत चीनी सरकार के।

श्री भक्त दर्शन : क्या अगला यात्रा सीजन आने से पहले अर्थात् १९५८ की गर्मियों से पहले जो थोड़ी बहुत शिकायतें रही हुई हैं, वे भी दूर कर दी जायेंगी ? क्या इस बारे में फिर चीन सरकार पर जोर दिया जायेगा ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : इस का जवाब तो दे चुका हूं।

Regional Museums

†

*140. **Shri S. C. Samanta:**
Shri Barman:

Will the Minister of **Labour and Employment** be pleased to state:

(a) whether any or all of the proposed Regional Museums of Industrial Safety, Health and Welfare will be set up during the Second Five Year Plan for northern, eastern and southern regions;

(b) if so, the estimate of expenditure for the purpose;

(c) the nature of co-ordination they will have with the Central Labour Institute;

(d) whether there will be training arrangements; and

(e) if so, for whom?

The Deputy Minister of Labour (Shri Abid Ali): (a) All, subject to availability of equipment.

(b) Rs. 30 lakhs (excluding cost of land).